दिल्ली, उ0प्र0, हरियाणा, पंजाब, गुजरात एवं राजस्थान में प्रसारित।

गुरुकृपा दर्पण

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

UTTHIN/2022/85670

डाक सं० UA/DO/DON/02/2024-2026

वर्ष : 04 | अंक : 32 | हरिद्वार | शनिवार, 23 अगस्त, 2025 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 4

मुख्यमंत्री धामी ने 22० चिकित्सा अधिकारियों को सौंपे नियुक्ति पत्र

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्य सेवक सदन में स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित उत्तराखंड चिकित्सा स्वास्थ्य सशक्तिकरण अभियान में प्रतिभाग करते हुए 22० नव नियुक्त चिकित्सा अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त चिकित्सकों को शुभकामनाएं देते हुए इस क्षण को उनके जीवन का महत्वपूर्ण पड़ाव बताया। कहा कि आप मात्र चिकित्सक नहीं बल्कि देवभूमि के आरोग्य प्रहरी भी हैं। इसीलिए आप सभी को प्रदेश की चिकित्सा को सस्ती, जनसुलभ और नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए पूर्ण समर्पण और सेवाभाव से कार्य करना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के 11 लाख से अधिक पेशेंट्स को 21 करोड़ से अधिक की कैशलेस इलाज की सुविधा प्राप्त हो चुकी है। श्रीनगर में कार्डियो और न्यूरोलॉजी तथा हल्द्वानी में कैंसर से संबंधित विशेष चिकित्सा सुविधा प्रदान की जा रही है।

कहा कि आपात स्थिति में सुदूरवर्ती क्षेत्रों से हेली के माध्यम से भी स्वास्थ्य सेवाएं जीवनदायिनी का काम कर रही हैं। अभी हाल ही में धराली में आई आपदा के दौरान भी इसको देखा गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकतर नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच, स्वास्थ्य केंद्रों के आधुनिकीकरण, पैरामेडिकल स्टाफ की नियुक्ति और टेलीमेडिसिन सेवा के विस्तार से राज्य में चिकित्सा सेवाओं को नया आयाम मिला है। उन्होंने कहा कि हम प्रत्येक जनपद में एक-एक मेडिकल कॉलेज स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं। ताकि लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज उत्तराखंड प्रत्येक क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने का एक तरह से उत्तराखंड नेतृत्व कर रहा है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का संकल्प उत्तराखंड के विकसित होने से और उत्तराखंड के विकसित होने का संकल्प यहां के समाज, नागरिकों और प्रत्येक क्षेत्र के विकसित होने से ही साकार होगा। स्वास्थ्य मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने कहा कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग नियुक्तियों के मामले में नित्य नए कृतिमान स्थापित कर रहा है। कहा कि 22० चिकित्सकों में ०4 दिव्यांग कोटे के चिकित्सकों को छोड़कर शेष सभी चिकित्सक दुरस्त क्षेत्रों में तैनाती देंगे। कहा कि विभाग शीघ्र ही और चिकित्सकों, नर्सेज और सपोर्टिंग स्टाफ की भी भर्ती करने जा रहा है। मा. मंत्री ने कहा कि मा. प्रधानमंत्री मोदी के जन्म दिवस 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक राज्य के 22० स्थानों पर बड़े अभियान के तौर पर ब्लड डोनेशन कैंप लगाए जाएंगे तथा प्रत्येक गांव में स्वास्थ्य शिविर लगाकर 25 लाख से अधिक लोगों को इससे लाभान्वित किया जाएगा। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि दूरस्थ क्षेत्रों में चिकित्सकों के साथ-साथ सपोर्टिंग स्टाफ की अधिक उपलब्धता सुनिश्चित होने से अधिकतर चिकित्सक इन क्षेत्रों में भी अपने आप सेवाएं देने के लिए प्रेरित होंगे। उन्होंने कहा कि आज भी लोग ईश्वर के बाद सबसे अधिक सम्मान चिकित्सक को देते हैं इसी कारण चिकित्सकों को लोगों के विश्वास को और बढ़ाने के प्रयास करने होंगे। इस अवसर पर मुख्य सेवक सदन में आयोजित कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, विधायक खजान दास, राजकुमार पोरी, व सरिता कपूर, राज्य स्तरीय उपाध्यक्ष राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन सुरेश भट्ट, सचिव स्वास्थ्य डॉ. आर राजेश कुमार, महानिदेशक स्वास्थ्य सुनीता टम्टा सहित संबंधित चिकित्सक व अधिकारी उपस्थित थे।

शहीद संदीप थापा की शहादत को किया नमन

विकासनगर। तेलपुरा-अटकफार्म में रविवार को शहीद संदीप थापा की शहादत दिवस पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। शहीद की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्पार्पण कर लोगों ने उनकी शहादत को नमन किया। विधायक सहदेव पुंडीर ने शहीद के पिता को शॉल ओढ़ाकर उनके बेटे की शहादत का सलाम किया। विधायक ने कहा कि देश की सीमाओं की रक्षा में उत्तराखंड के वीर सपूतों का सबसे बड़ा योगदान है। सेना के प्रत्येक ऑप्रेशन में उत्तराखंड के सपूत शामिल रहते हैं। उन्होंने कहा कि देश के वीर सपूतों और उन सपूतों को जन्म देने वाले माता-पिता को नमन करना प्रत्येक देशवासी का धर्म है। जिन माता-पिता ने अपने सपूतों को देश की रक्षा के लिए बलिदान किया है।

गुरुकृपा दर्पण (राष्ट्रीय समाचार पत्र) को आवश्यकता है उत्तराखण्ड एवं उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों के लिए ब्यूरो चीफ, कैमरा मैन, संवादाताओं की। सम्पर्क करें – 9410731129, 9548880101

छात्रवृत्ति के कम पंजीकरण पर सीडीओ ने मुख्य शिक्षा अधिकारी और समाज कल्याण अधिकारी को लगाई फटकार

कोई भी पात्र छात्र-छात्रा छात्रवृत्ति से वंचित नहीं रहना चाहिए-(सीडीओ) श्रीमती आकांक्षा कोण्डे

जतिन शर्मा

हरिद्वार। जनपद में शैक्षणिक सत्र 2०25-26 के लिए छात्रवृत्ति पंजीकरण की धीमी गति को लेकर आज मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) श्रीमती आकांक्षा कोण्डे की अध्यक्षता में दिनांक 21 अगस्त2०25 को एक अहम बैठक हुई। विकास भवन रोशनाबाद के सभागार में आयोजित इस बैठक में सीडीओ ने नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर कम आवेदन आने पर कड़ा रुख अपनाया। श्रीमती कोण्डे ने इस लापरवाही के लिए मुख्य शिक्षा अधिकारी (सीईओ) और जिला समाज कल्याण अधिकारी को जमकर फटकार लगाई। उन्होंने निर्देश दिए कि तत्काल जनपद के सभी विद्यालयों, संस्थानों और कॉलेजों की सूची तैयार की जाए। साथ ही, संबंधित नोडल अधिकारियों से संपर्क कर छात्रवृत्ति पंजीकरण की संख्या में तेजी लाई जाए। सीडीओ ने साफ किया कि जिले का कोई भी पात्र छात्र-छात्रा छात्रवृत्ति से वंचित नहीं रहना चाहिए। बैठक में, समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि इस संबंध में मुख्य शिक्षा अधिकारी को छह बार रिमाइंडर भेजे गए थे, लेकिन कोई खास प्रगति नहीं हुई। इस पर, सीडीओ ने समाज कल्याण अधिकारी से पूछा कि उन्हें इस गंभीर मामले की जानकारी पहले क्यों नहीं दी गई। बैठक में सभी खंड शिक्षा अधिकारी और जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय के कर्मचारी मौजूद रहे। सीडीओ ने सभी अधिकारियों को पंजीकरण प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए एकजुट होकर काम करने के निर्देश दिए। यह बैठक यह सुनिश्चित करने के लिए बुलाई गई थी कि पात्र छात्रों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिले।

गोशाला की दीवार टूटी, तीन मवेशियों की मौत

चमोली। पिंडर घाटी में लगातार हो रही बारिश के कारण जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। कर्णप्रयाग -ग्वालदम राष्ट्रीय राजमार्ग पर घनियालधार तथा मोल्यापोड़ कई घंटे अवरुद्ध रहा। जिसे बाद में बीआरओ द्वारा खोल दिया गया। थराली के राजस्व उप निरीक्षक क्षेत्र तलवाड़ी के ग्राम पंचायत बेनौली के जयवीर सिंह पुत्र स्व. दलीप सिंह की गोशाला शनिवार देर रात को हुई अतिवृष्टि के कारण ढह गई। इसमें एक भैंस, 2 बैल और एक बकरी बंधी थी। जिसमे 2 बैल तथा 1 बकरी की मौके पर मृत्यु हो गई। उप जिला अधिकारी पंकज भट्ट ने बताया राहत एवं बचाव टीम को घटना स्थल के लिए भेज दिया है। वही नवनिर्वाचित क्षेत्र पंचायत सदस्य मनमोहन चतुरा ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग की है।

सम्पादकीय

ट्रंप का रवैया

सम्पादक – देवेन्द्र जौहरी

ट्रंप के निर्णय अमेरिका के लिये घातक साबित होने वाले है। ट्रेड और टैरिफ पर ट्रंप का सख्त रुख किसी के लिए भी सही नहीं है। अब तो इसे टैरिफ टेरर या टैरिफ फतवा तक करार दिया जाने लगा है। आखिरकार इस बढ़े टैक्स की कीमत अमेरिकियों को ही चुकानी पड़ेगी। ऐसे में बेहतर है कि समाधान बातचीत से निकाला जाए। लेकिन, वह बातचीत एकतरफा और अपनी मर्जी थोपने वाली नहीं हो सकती। इसलिए अपनी ग्रोथ को बनाए रखने के लिए भारत की एनर्जी संबंधी जरूरतें अमेरिका से बिल्कुल अलग है। इसी तरह, विशाल किसान व पशुपालक आबादी को लेकर भी भारत की कुछ स्वाभाविक चिंताएं हैं। लिहाजा किसी भी समझौते में इन पहलुओं को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। वहीं, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा, झुकती है दुनिया, झुकाने वाला चाहिए।

प्राधिकरण की सचिव सिमरनजीत कौर ने वरिष्ठ नागरिकों के लाभार्थ कानून, नियम एवं योजनाओं से कराया अवगत

हरिद्वार। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस के अवसर पर वानप्रस्थ आश्रम ज्वालापुर में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के आदेश पर जिला जज एवं विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष नरेंद्र दत्त के निर्देश पर आयोजित शिविर में बोलते हुए प्राधिकरण की सचिव सिमरनजीत कौर ने वरिष्ठ नागरिको के लाभार्थ कानून, नियम एवं योजनाओं से अवगत कराया गया। उन्होंने बताया कि वरिष्ठ नागरिकों को भारत के सविंधान के अनुच्छेद 21 में जीवन एवं स्वतंत्रता का अधिकार तथा अनुच्छेद 41 के तहत नागरीक बुढापें या अन्य अभाव की दशाओं के लिए लोक सहायता पाने का अधिकारी है। कोई भी वरिष्ठ नागरिक जो अपना भरण पोषण करने में असमर्थ हो वह अपने व्यस्क संतान से भरण पोषण प्राप्त कर सकता है। उपजिलाधिकारी ऐसे वरिष्ठ नागरिक या माता पिता को उनकी संतानोध्वारिसों से १,०रूपये मासिक तक भरण पोषण दिला सकते हैं। यदि वरिष्ठ नागरिक ६०वर्ष पूर्ण करने से पूर्व असंगठित क्षेत्र के श्रमिक के रूप में उत्तराखंड भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के तहत पंजीकृत है, तो ऐसे व्यक्ति को ६०वर्ष की आय के पश्चात १०रूपए प्रति माह पेंशन का प्रावधान है तथा आयु 65 वर्ष होने पर उक्त पेंशन की धनराशि रू०१5०हो जाएगी। ऐसे पेंशन भोगी की मृत्यु होने पर उनके उत्तरजीवी पति या पत्नि को 5०रुपए प्रति माह छमाही आधार पर परिवारिक पेंशन श्रम विभाग से मिलेगी । इसी के साथ समाज कल्याण अधिकारी ने अपने विभाग द्वारा संचालित योजनाओ से अवगत कराया।

गैरसैंण में धूमधाम से मनाया पाती मेला

चमोली। श्री कृष्ण जन्मोत्सव के बाद गैरसैंण विकासखंड के विभिन्न स्थानों पर रविवार को पाती मेले का आयोजन किया गया। इस दौरान मौसम सुहावना होने के कारण बड़ी संख्या में भक्तों ने पाती मेले में शिरकत कर क्षेत्र की सुख एवं समृद्धि का आशीर्वाद लिया। गैरसैंण प्रखंड़ के अनेक स्थानों पर पाती मेला आयोजित करने की परंपरा चली आ रही है। यह मेला तीन दिवसीय होता है प्रथम दिन ईष्ट देवताओं का आह्वान, दूसरे दिन भतिल पाती तथा अंतिम दिन पाती मेला जिसमें एक लम्बा स्तंभ को जमीन में गाड़ा जाता है ।

डीएम ने अधिकारियों को दिए निर्देश सरकारी भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराना सुनिश्चित करें

हरिद्वार। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने जनपद में तैनात राजस्व विभाग के समस्त अधिकारियों तथा कर्मचारियों साथ जिला कार्यालय सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक ली। जिलाधिकारी ने कहा कि जान पर खेलकर, बदनामी झेलकर सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने वाले अधिकारी एवं कर्मचारी भी जनपद में तैनात हैं, ऐंसे कार्मिकों से सीख लेते हुए सरकारी भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में जल भराव की समस्या का प्रमुख कारण तालाबों एवं नालों पर अतिक्रमण हैं। उन्होंने सभी राजस्व लेखपालों को अपने-अपने क्षेत्रों का भ्रमण करने तथा सरकारी भूमि, तालाबों, नालों आदि पर अतिक्रमण चिन्हित कर, भूमि, तालाबों एवं नालों को नियमानुसार अतिक्रमणमुक्त कराने के निर्देश दिये। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिये कि अतिक्रमणमुक्त भूमि को एसेट मैनेजमेन्ट पोर्टल पर अपलोड किया जाये ताकि भविष्य में भूमि पर अतिक्रमण न हो सके।

उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि क्षेत्र में पैनी नज़र बनाए रखें तथा कहीं पर भी अतिक्रमण होता है तो तुरन्त एक्शन लें। इसके साथ ही कार्मिकों द्वारा किये जा रहे विभिन्न कार्यों की विस्तार से समीक्षा करते हुए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिये। इस दौरान ज्वाइंट मजिस्ट्रेट रुड़की दीपक रामचंद्र शेट, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व)दीपेंद्र सिंह नेगी, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) पीआर चौहान, एसडीएम हरिद्वार जितेंद्र कुमार, एचआरडीए सचिव मनीष कुमार, एसडीएम लक्सर सौरभ असवाल, डिप्टी कलेक्ट्रेट देवेंद्र सिंह नेगी, डिप्टी कलेक्ट्रेट/अपर मेलाधिकारी कुंभ दयानंद सरस्वती सहित समस्त प्रशासनिक अधिकारी एवं कार्मिक मौजूद थे।

पौड़ी में 32 मार्ग रहे बंद

पौड़ी। लगातार हो रही बारिश से जिले में आमजनजीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त है। रविवार को बारिश से जिले के 32 मोटर मार्गों पर यातायत ठप रहा। लगातार हो रही बारिश से जिले के कोट ब्लाक के तहत बलूड़ी व मरोड़ा गांव में विघुत आपूर्ति बाधित है। बारिश से जिले के पाबौ में पेयजल योजना प्रभावित होने से 7 गांव में पेयजल आपूर्ति बाधित हो गई है। इसके साथ ही बारिश से जिले के जल संस्थान कोटद्वार की 53 योजनाएं क्षतिग्रस्त हो गई है। जिनमें अस्थाई रूप से पेयजल आपूर्ति सुचारू की गई है। भारी बारिश से जल संस्थान पौड़ी की 166 योजनाएं क्षतिग्रस्त हो गई हैं।

विकासनगर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में नगर शोभायात्रा निकाली

विकासनगर। सनातन धर्म मंदिर सभा की ओर से आयोजित तीन दिवसीय श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव के समापन पर रविवार को नगर में शोभायात्रा का आयोजन किया गया। इस दौरान भगवान श्रीकृष्ण और राधा रानी की मनमोहक झांकियां देखने को मिली। यात्रा हरि नाम संकीर्तन की धुन पर सनातन धर्म मंदिर से आरंभ होते हुए संपूर्ण नगर में भ्रमण कर वापस सनातन मंदिर में पहुंची। इस दौरान जगह-जगह हरि नाम संकीर्तन और झांकी में नृत्य करते कलाकारों ने माहौल भक्तिमय कर दिया। विभिन्न देवी-देवताओं की झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। इसमें छोटे-छोटे बच्चों ने देवी-देवताओं की भूमिका में सबका मन मोह लिया। खासकर टोकरी में रखे गए भगवान श्रीकृष्ण बनाए गए नन्हें बच्चे ने सबको अपनी ओर आकर्षित किया। यात्रा के मध्य में रथ पर रखे पर पालने में कान्हा के दर्शन के लिए नगरवासी आतुर दिखाई दिए। जहां से शोभा यात्रा गुजरी, लोगों ने पुष्पवर्षा कर कान्हा को प्रसाद चढ़ाया। वहीं स्थानीय महिलाएं और पुरुष इस शोभायात्रा में भारी संख्या में शामिल हुए जिन्होंने भगवान कृष्ण की महिमा का गुणगान किया। बीते शुक्रवार से ही नगर के विभिन्न मंदिरों में कृष्ण जन्माष्टमी पर्व की धूम रही। मंदिरों को आकर्षक तरीके से सजाया गया व पुजारियों द्वारा मंदिर में विराजमान राधा कृष्ण की प्रतिमाओं का आकर्षक श्रृंगार किया गया। इसी क्रम में रविवार को सनातन धर्म सभा द्वारा शोभा यात्रा निकाली गई। सिनेमा गली, कॉलेज रोड, 28 फिटा रोड, सैयद रोड, मुख्य बाजार होते हुए सनातन धर्म मंदिर पहुंची, जहां शोभा यात्रा का समापन हुआ। शोभा यात्रा में श्रद्धालु सबसे आगे धर्म ध्वज लेकर चल रहे थे। राधा कृष्ण के स्वरूप की भव्य झांकियों का रथ और उनके पीछे रथ पर रखा कान्हा का पालना था।

देवेन्द्र जौहरी
सहसम्पादक
जतिन शर्मा
सहसम्पादक
विक्रान्त शर्मा
कानूनी सलाहकार
जसमहिन्द्र सिंह एडवोकेट

भोजन और बैठक से क्या हासिल हुआ ?

अजीत द्विवेदी

विपक्षी गठबंधन इंडिया' के नेताओं की राहुल गांधी के नए सरकारी आवास पर बैठक हुई और सबने जरूरी राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा के बाद एक साथ भोजन भी किया। इसके बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इंडिया' ब्लॉक के नेताओं को भोजन कराया। लेकिन इस भोजन और बैठक से क्या हासिल हुआ? क्या कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने इस गठबंधन के अस्तित्व को लेकर जो सवाल उठाए थे उनका जवाब मिल गया? क्या यह स्थापित हो गया कि विपक्षी गठबंधन उसी स्वरूप में बना हुआ है, जिस स्वरूप में यह अपने गठन के समय था और आज भी इसका उद्देश्य वही है, जो 2023 के जून महीने में पटना के एक, अणे मार्ग में तय हुआ था? ये सवाल इसलिए है क्योंकि पिछले छह महीने में कई नेता इंडिया' ब्लॉक के अस्तित्व पर सवाल उठा चुके हैं और कह चुके हैं कि इसका गठन लोकसभा चुनाव 2024 के लिए किया गया था। यानी लोकसभा चुनाव 2024 खत्म तो इसका अस्तित्व भी खत्म! संसद सत्र में जो एकजुटता दिख रही है वह भी सिर्फ मानसून सत्र के लिए है और उसे दीर्घकालिक एकजुटता नहीं समझना चाहिए। वास्तविकता यह है कि विपक्षी गठबंधन यानी इंडिया' ब्लॉक का अब वैसे ही अस्तित्व नहीं है, जैसे यूपीए का नहीं रहा। ध्यान रहे 2004 के लोकसभा चुनाव के बाद यूपीए का गठन हुआ था। मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री बने थे और सोनिया गांधी यूपीए की चेयरपर्सन बनी थीं। यह गठबंधन 2014 के लोकसभा चुनाव तक बना रहा। लेकिन 2014 का चुनाव हारने के बाद यह समाप्त हो गया। सोचें, कितनी हैरानी की बात है कि 1998 में अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के समय बना एनडीए आज तक चल रहा है। कई बार चुनाव हारने के बाद भी एनडीए बना रहा लेकिन एक बार चुनाव हारते ही यूपीए समाप्त हो गया। वैसे ही 2024 के चुनाव से पहले इंडिया' का गठन हुआ और चुनाव नतीजों के बाद धीरे धीरे इसका अस्तित्व समाप्त हो गया। अभी निकट भविष्य में इसके रिवाइवल की संभावना नहीं दिख रही है। फिर कभी विपक्षी गठबंधन फिर बना तो हो सकता है कि उसका नाम कुछ और हो। वैसे भी राज्यों में इंडिया' ब्लॉक नाम से कोई गठबंधन नहीं है। महाराष्ट्र में भाजपा विरोधी गठबंधन को महाविकास अघाड़ी' कहते हैं, जिसका नेतृत्व किस पार्टी के हाथ में है यह किसी को पता नहीं है। बिहार में इसे महागठबंधन' कहते हैं, जिसका नेतृत्व राजद के हाथ में है। बिहार के पड़ोसी झारखंड में भी इसे महागठबंधन' कहते हैं, जिसका नेतृत्व झारखंड मुक्ति मोर्चा के हाथ में है। तमिलनाडु में इसका नाम सेकुलर प्रोग्रेसिव एलायंस' है, जिसकी कमान एमके स्टालिन की पार्टी डीएमके संभालती है। केरल में भारतीय जनता पार्टी एक बड़ी ताकत नहीं है। वहां कांग्रेस के नेतृत्व में एक गठबंधन है, जिसका नाम यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट यानी यूडीएफ है। इसकी लड़ाई सीपीएम के नेतृत्व वाले लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट से होती है। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी साथ मिल कर इंडिया' ब्लॉक के बैनर तले लोकसभा का चुनाव लड़े थे। विधानसभा चुनाव में इनका गठबंधन कैसे बनता है यह देखने वाली बात होगी। यह बहुत दिलचस्प बात है कि केरल को छोड़ कर जिस प्रदेश में कांग्रेस मजबूत है वहां कोई प्रादेशिक गठबंधन नहीं है। कर्नाटक से लेकर तेलंगाना और मध्य प्रदेश से लेकर छत्तीसगढ़ और गुजरात से लेकर राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड आदि सभी राज्यों में कांग्रेस अपने भरोसे है। बहरहाल, लोकसभा चुनाव में भी विपक्ष का गठबंधन कोई परफेक्ट नहीं था। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी ने कोई तालमेल नहीं किया था। विपक्षी गठबंधन की पार्टियां अलग अलग लड़ी थीं तो केरल में कांग्रेस और सीपीएम के नेतृत्व वाले गठबंधन में कोई तालमेल नहीं हुआ था। यह एक टैक्टिकल पोजिशन थी, जो पार्टियों ने राज्यों की राजनीतिक वास्तविकता को ध्यान में रख कर चुनी थी। लोकसभा चुनाव के बाद इस टैक्टिकल पोजिशन में भी बिखराव हुआ है और स्ट्रैटिजिकल पोजिशन भी पहले वाली नहीं है। लोकसभा चुनाव साथ मिल कर लड़ी आम आदमी पार्टी अब गठबंधन से अलग हो गई है। विधानसभा चुनाव के लिए ममता बनर्जी साथ नहीं आ रही हैं तो केरल में भी यूडीएफ और लडीएफ को एक दूसरे के खिलाफ ही लड़ना है। लोकसभा और विधानसभा चुनाव में साथ रही उद्धव ठाकरे की शिव सेना के बारे में पक्के तौर पर नहीं कहा जा सकता है कि वह स्थानीय निकाय चुनावों में कांग्रेस के साथ है। उद्धव ठाकरे ने राज ठाकरे से हाथ मिला लिया है तो वैसे भी कांग्रेस के लिए स्पेस कम हो गया है। ऐसा लग रहा है कि महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय का चुनाव इंडिया' ब्लॉक की पार्टियां अलग अलग लड़ेंगी। सो, संसद में विपक्ष की एकता या राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के बुलावे पर विपक्षी नेताओं के जुटने का मतलब यह नहीं है कि इंडिया' ब्लॉक रिवाइव हो रहा है या उसको मजबूती मिल रही है। संसद सत्र के दौरान सदन में बाहर भी मौजूदा एकजुटता मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर है। विपक्षी पार्टियां इस मसले पर एकजुट हैं। उन्होंने अरसे बाद सड़क पर उतर कर ताकत दिखाई, जब विपक्षी सांसदों ने निर्वाचन सदन की ओर मार्च किया। उनको लग रहा है कि मतदाता सूची में होने वाला बदलाव उनको स्थायी रूप से सत्ता से दूर कर सकता है। इसलिए सभी पार्टियां साथ आ गई हैं। मतदाता सूची, ईवीएम और चुनाव प्रक्रिया में दूसरी कथित गड़बड़ियों के नाम पर चुनाव आयोग से लड़ने में सभी पार्टियां साथ हैं। लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि उनमें कोई चुनावी तालमेल होने जा रहा है। चुनावी तालमेल उन्हीं राज्यों में होगा, जहां पहले से है। यानी यथास्थिति बनी रहेगी। बिहार में इस साल महागठबंधन' साथ में चुनाव लड़ेगा तो अगले तमिलनाडु में भी विपक्षी गठबंधन एक होकर लड़ेगा। लेकिन इसके अलावा पश्चिम बंगाल, असम और केरल में इंडिया' ब्लॉक की पार्टियां एक दूसरे के खिलाफ लड़ेंगी। विपक्षी एकजुटता तो तब मानी जाएगी, जब पश्चिम बंगाल और असम में तृणमूल कांग्रेस, कांग्रेस और लेफ्ट के बीच और केरल में यूडीएफ व एलडीएफ के बीच कोई प्रत्यक्ष या परोक्ष गठबंधन बने। इसकी संभावना नहीं दिख रही है।

ट्रूडो या ट्रंप का सामना

हरिशंकर व्यास

क्या आपको पता है पीवी नरसिंहराव सरकार के बाद दुनिया के किस देश ने भारतीयों का सर्वाधिक स्वागत किया? उन्हे रोजगार-नागरिकता दी? जवाब है अमेरिका और कनाड़ा। कनाड़ा में 1996 में कोई सवा छह लाख भारतीय थे अब कोई उन्नीस लाख है। ऐसे ही अमेरिका में 2002 से 2023 के बीच तेरह लाख भारतीयों को नागरिकता मिली है। अमेरिका में अब मेक्सिको के बाद सर्वाधिक प्रवासी भारतीय है! डेमोक्रेटिक पार्टी के बिल क्लिंटन हो या रिपब्लिकन बुश या डेमोक्रेटिक ओबामा सभी ने भारतीयों को मौका दिया। यही स्थिति कनाड़ा में ट्रूडो सरकार तक रही। लेकिन अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार की करनी-धरनी से आज क्या स्थिति है? दोनों देशों से भारत दुनिया में बदनाम है। डेड इकॉनोमी, तड़ी पार पुतिन का साथी और सार्वभौम देश में हत्याएं करवाने वाले भारत का वैश्विक नैरेटिव बनाए हुए है। भारत के लंगूर भक्त भले ट्रंप को अब एक्सपोज कर अपने को सूरमा मान रहे है लेकिन दुनिया तो अमेरिका, कनाड़ा को सुनती है। कनाड़ा ने तो भारत के लोगों को वीसा देने में भी कोताही बरती हुई है! रिश्ते ठप्प है और वहा हिंदू कलपते हुए है। पिछले दो सप्ताह से डोनाल्ड़ ट्रंप और उनके डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ ने जिस तरह भारत को बदनाम किया है उससे लगता है कि ट्रंप या तो नरेंद्र मोदी को झूका कर मानेंगे या भारत को चीन, रूस की और धकेल कर विश्व राजनीति में उसकी तड़ी पार वाली दशा बना देंगे। भारत न इधर का रहेगा और न उधर का। सवाल है भारत-अमेरिका रिश्तों की ऐसी दशा के हालातों का स्पार्किंग बिंदु कौन सा है? बाईस मिनट का आपरेशन सिंदूर। यह इतिहास को अब प्रधानमंत्री मोदी, विदेश मंत्री जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोवाल की वह देन है जो भारत की भावी पीढ़ियों के लिए लम्हों ने खता की सदियों ने सजा पाई के नाते याद रहेगी। इस आपरेशन की तैयारी करते हुए आगा-पीछा कुछ भी नहीं सोचा गया। इतना भी नहीं कि फंला-फंला सिनेरियों में ट्रंप को कैसे हैंडल करेंगे? पाकिस्तान क्या तैयारी किए बैठा होगा? उसे कही चीन की सेना, तकनीक, हथियारों की बैकअप तो नहीं है? यदि उसने परमाणु मिसाईल भारत की और मोड़ अमेरिका को आगाह किया तब यदि ट्रंप प्रशासन ने दखल दी तो प्रधानमंत्री दफ्तर उसके फोन को उठाएगा या अपनी परमाणु मिसाईले पाकिस्तान की और एक्टीव करेगा ताकि दुनिया को मालूम हो कि हम डरते नहीं। जाहिर है भारत ने डोनाल्ड ट्रंप, जनरल मुनीर, शी जिनपिंग के दिमाग को समझे बिना ही आपरेशन सिंदूर रचा। यह बेसिक समझ भी नहीं रखी कि ट्रंप अंहकारी, पागल है, जनरल मुनीर उन्मादी-धूर्त है और उसके पीछे शैतान चीन है। इतना आगा-पीछा तो सोचना था, ट्रंप को कह देना था कि अमेरिका बिल्कुल दखल न करें। हम अंत तक लड़ेंगे। हमें पाकिस्तान को ठोकना या हैंडल करना आता है। सो अब ट्रंप भारत की वह बदनामी करते हुए है जिससे भारत की भू-राजनीति, विश्व राजनीति, सामरिक-क्षेत्रिय सुरक्षा तथा उसके निर्यात सब खतरे में है। 1995 में उदारीकरण के बाद, भूमंडलीकरण से भारत का जो मान बना था, जो रणनीतिक-आर्थिक रचना बनी थी वह मिट्टी में मिल गई है। पाकिस्तानी सेना के प्रमुख जनरल असीम मुनीर इसी महिने फिर अमेरिका जा रहे है। ट्रंप के साथ फिर उनकी मुलाकात संभव है। अमेरिका-पाकिस्तान का नया गठजोड शक्ल लेता हुआ है। व्हाइट हाउस के उप प्रमुख स्टाफ और ट्रंप के सबसे करीबि सहयोगियों में से एक, स्टीफन मिलर का यह ताजा कहा गंभीर है कि लोग यह जानकर चौंक जाएंगे कि रूस से तेल खरीदने के मामले में भारत लगभग चीन के बराबर है। यह एक चौंकाने वाला तथ्य है।

चिचिंडा से बनने वाले व्यंजन आपको जरूर आएंगे पसंद

चिचिंडा एक अनोखी और पौष्टिक सब्जी है, जिसे आमतौर पर लोग ज्यादा पसंद नहीं करते। इसका कारण यह है कि लोगों को इसे अलग अंदाज में बनाना नहीं जानते हैं। आइए आज हम आपको चिचिंडा से बनाए जाने वाले कुछ अनोखे व्यंजनों की रेसिपी बताते हैं। ये व्यंजन आपके रोजमर्रा के खाने को नया स्वाद देंगे और इनका स्वाद चखने के बाद आप इस सब्जी को पसंद करने लगेंगे। अच्छी बात यह है कि इन्हें बनाना भी आसान है।

चिचिंडा की खिचड़ी

चिचिंडा की खिचड़ी एक पौष्टिक और स्वादिष्ट व्यंजन है, जो सेहत के लिए फायदेमंद रहेगा। इसे बनाने के लिए सबसे पहले चावल और मूंग दाल को धोकर भिगो लें। इसके बाद एक पैन में तेल गर्म करें और उसमें जीरा, हींग और अदरक-लहसुन का पेस्ट डालें। अब इसमें चिचिंडा के टुकड़े डालें और थोड़ी देर भूनें। इसके बाद चावल, दाल, हल्दी, नमक और पानी डालकर पकने दें। इसे घी और दही के साथ परोसें।

चिचिंडा का परांठा

चिचिंडा का परांठा एक अनोखा व्यंजन है, जिसे आप अपने नाश्ते में शामिल कर सकते हैं। इसे बनाने के लिए सबसे पहले गेहूं के आटे में बारीक कटा हुआ चिचिंडा डालें। अब इसमें हरी मिर्च, अदरक-लहसुन का पेस्ट, नमक और अन्य मसाले मिलाएं। इस मिश्रण को गूंधें, इसके पराठे बेल लें और उन्हें तवे पर सेंक लें। आप इसे अपनी पसंद की चटनी के साथ खा सकते हैं। यह बड़ों के साथ-साथ बच्चों को भी पसंद आएगा।

चिचिंडा का रायता

अपने कई प्रकार के रायते खाए होंगे, लेकिन चिचिंडा का रायता खा कर आपका मन तृप्त हो जाएगा। इसे बनाने के लिए सबसे पहले दही को अच्छे से फेंट लें। इसके बाद इसमें उबला हुआ और कटा हुआ चिचिंडा शामिल करें। अब इसमें भूने हुए जीरे का पाउडर, कटी हुई हरी मिर्च, नमक और धनिया पत्ती मिलाएं। आप इस रायते को किसी भी व्यंजन के साथ परोसे सकते हैं। यह रायता पेट को ठंडा रखेगा और ताजगी भी देगा।

चिचिंडा का हलवा

सुनने में अजीब लगता है, लेकिन आप चिचिंडा से एक मिठाई भी बना सकते हैं। हम बात कर रहे हैं हलवे की, जिसका स्वाद आपको हमेशा याद रहेगा। चिचिंडा का हलवा बनाने के लिए घी में सूजी या बेसन को भून लें।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 13 सितम्बर 2025 को

जतिन शर्मा

देहरादून। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के निर्देशानुसार उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, नैनीताल के तत्वाधान में उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति, नैनीताल एवं समस्त जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों द्वारा दिनांक 13 सितम्बर, 2025 को प्रातः 10:00बजे से सायं 05:00बजे तक राज्य के मा०उच्च न्यायालय, समस्त जिला तथा अधीनस्थ न्यायालयों, राज्य के सगस्त पारिवारिक न्यायालयों, श्रम न्यायालयों, वाणिज्यिक न्यायालयों, राज्य एवं समस्त जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग तथा ऋण वसूली अधिकरण, देहरादून में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें प्री-लिटिगेशन (ऐसे मामले जो अभी न्यायालय में दायर नहीं हुये हैं) एवं न्यायालयों में लम्बित निम्न वादों- फौजदारी के शमनीय मामले, धारा 138 एन.आई. एक्ट के मामले, मोटर दुर्घटना दावा मामले, वैवाहिक / कुटुम्ब न्यायालयों के मामले, श्रम सम्बन्धित मामले, भूमि अर्जन के मामले, दिवानी वाद, राजस्व और अन्य सहायक मामले, वेतन, भत्तो एवं सेवानिवृत्ति से संबंधित मामले, विद्युत एवं जलकर बिलों के मामले, धन वसूली से सम्बन्धित मामले, आईपीआर मामले / उपभोक्ता मामले/किसी अर्ध-न्यायिक प्राधिकरण के समक्ष लंबित अन्य मामले, मोटर वाहन अधिनियम के तहत शमनीय यातायात चलान, अन्य ऐसे मामले जो सुलह समझौते के आधार पर निस्तारित हो सके का निस्तारण किया जायेगा। जो भी व्यक्ति अपने वादों/मामलों को राष्ट्रीय लोक अदालत में निस्तारित करवाना चाहते हैं, वे सम्बन्धित न्यायालय में किसी भी कार्य दिवस में दिनांक 12 सितम्बर, 2025 तक स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से प्रार्थनापत्र देकर अपने वादों को नियत करवाकर, इस अवसर का लाभ उठायें। अधिक जानकारी के लिये कार्यालय, उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, नैनीताल अथवा सम्बन्धित जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों में सम्पर्क करें।

पिथौरागढ़ का खूनी गांव अब देवीग्राम हुआ

जतिन शर्मा

देहरादून/पिथौरागढ़। उत्तराखंड के कुमाऊं मंडल के पिथौरागढ़ जिले में तहसील पिथौरागढ़ स्थित ग्राम खूनी गांव का नाम बदलकर अब देवीग्राम कर दिया गया है। मुख्यमंत्री के विशेष प्रयासों से भारत सरकार ने खूनी ग्राम का नाम बदलने की अनुमति प्रदान कर दी है, इसके बाद उत्तराखंड शासन के राजस्व विभाग ने इसकी विधिवत अधिसूचना जारी कर दी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि स्थानीय निवासी लंबे समय से गांव का नाम बदलने की मांग कर रहे थे, उनकी भावनाओं को देखते हुए राज्य सरकार ने भारत सरकार से अनुमोदन प्राप्त कर अब यह मांग पूरी कर दी है। अब आधिकारिक रूप से ग्राम खूनी को देवीग्राम के नाम से जाना जाएगा। यह कदम राज्य सरकार की जनभावनाओं के प्रति प्रतिबद्धता और सांस्कृतिक संवेदनशीलता का प्रतीक है।

शारदा नदी में डूबने से बचाया

चम्पावत। शारदा नदी में स्नान करते वक्त एक व्यक्ति को डूबने से बचा लिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार इज्जत नगर बरेली यूपी निवासी 35 वर्षीय अफसर अली पुत्र सागर अली अपने चार साथियों के साथ शारदा नदी में स्नान कर रहे थे, अचानक अफसर अली शारदा की के तेज बहाव की चपेट में आकर डूबने लगा, पुलिस के तैराक रविंद्र कुमार और स्थानीय तैराक सूरज शर्मा ने नदी में छलांग लगाकर उसे डूबने से बचा लिया।

ऋषिकेश के आवश्यक कार्यों व जन समस्याओं के शीघ्र समाधान के लिए मुख्यमंत्री धामी से मिले डॉ प्रेमचंद अग्रवाल

जतिन शर्मा

ऋषिकेश। भराड़ी सैंण में चल रहे विधानसभा सत्र के दौरान क्षेत्रीय विधायक व पूर्व मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से दिनांक 20अगस्त2025 को शिष्टाचार भेंट की और इस मौके पर ऋषिकेश से जुड़े हुए विभिन्न विषयों को लेकर वार्ता की। भेंट वार्ता के दौरान डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा है कि ऋषिकेश के आंतरिक मोटर मार्गो के निर्माण करने, ऋषिकेश विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यक सुरक्षात्मक कार्य एवं जंगल से लगे हुए क्षेत्र में बाघ के बढ़ते आतंक को रोकने के लिए कारगर उपाय करने को लेकर वार्ता की गई।

भारतीय स्टेट बैंक ने शांतिकुंज को भेंट की ई रिक्शा

जतिन शर्मा

हरिद्वार। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत एक सराहनीय पहल करते हुए शांतिकुंज को दो ई-रिक्शा भेंट किए गए। यह आयोजन शांतिकुंज परिसर में एक सादे किन्तु गरिमामय समारोह के रूप में संपन्न हुआ। एसबीआई के डीजीएम दीपेश राज ने कहा कि हमारा प्रयास है कि समाज के उपयोगी संस्थानों को ऐसे साधन उपलब्ध कराएं, जो न केवल उनके कार्यों को सरल बनाएं बल्कि पर्यावरण के प्रति जागरूकता को भी बढ़ावा दें। ई-रिक्शा पर्यावरण हितैषी, किफायती और टिकाऊ परिवहन का एक उत्कृष्ट माध्यम है। शांतिकुंज व्यवस्थापक योगेन्द्र गिरि ने बताया कि ये ई-रिक्शा परिसर के भीतर होने वाले आश्रम के विभिन्न कार्यों

हेतु उपयोग में लाए जाएंगे। इससे उन्हें आने-जाने में सहूलियत मिलेगी और संस्था के सेवाकार्य भी अधिक सुचारु रूप से संचालित हो सकेंगे। इस अवसर पर एसबीआई के डीजीएम दीपेश राज तथा रीजनल मैनेजर राजेश कुमार शाह एवं चीफ मैनेजर संजय कुमार आदि उपस्थित रहे। शांतिकुंज की ओर से संस्था के वरिष्ठ प्रतिनिधि शैफाली पण्ड्या एवं व्यवस्थापक योगेन्द्र गिरि ने इस भेंट को विनम्रतापूर्वक स्वीकार किया और इसके लिए भारतीय स्टेट बैंक का साधुवाद दिया। श्रीमती पण्ड्या ने एसबीआई के अधिकारियों को युग साहित्य, गायत्री महामंत्र लिखित चादर आदि भेंटकर सम्मानित किया। शांतिकुंज, अखिल विश्व गायत्री परिवार का मुख्यालय है, जहाँ प्रतिदिन देश-विदेश से हजारों श्रद्धालु साधना, स्वाध्याय एवं सामाजिक प्रशिक्षण के लिए आते हैं। भारतीय स्टेट बैंक की यह पहल संस्था की सहायता के साथ ही समाज के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में उनकी गंभीरता का परिचायक है।

आंखों की सुरक्षा को लेकर एम्स में होगा पब्लिक लेक्चर

रविवार 24 अगस्त को होगा कार्यक्रम, सुरक्षा चश्मों का भी होगा वितरण

जतिन शर्मा

ऋषिकेश। विभिन्न कारणों से आंख में चोट लगने पर आंखों की देखभाल और इसके प्रति जन जागरूकता के उद्देश्य से 24 अगस्त (रविवार) को एम्स ऋषिकेश में पब्लिक लेक्चर का आयोजन किया जायेगा। पब्लिक व्याख्यान में आम जनमानस, स्वयं सेवी संस्थाओं, सामाजिक संगठनों, विभिन्न क्लब सदस्यों और मीडिया को आमंत्रित किया गया है। विभिन्न फैक्टरियों आदि में कार्य करते हुए , केमिकल व रसायन पदार्थों का उपयोग करते समय , वैल्डिंग, फर्नीचर कार्य व रंग रोगन संबन्धित कार्य करते समय कई बार हमारी आंखों में अचानक चोट लग जाती है। ऐसी घटनाओं में कई बार आंखों को गंभीर नुकसान भी हो जाता है। इन्हीं विषयों को लेकर एम्स ऋषिकेश के नेत्र रोग विभाग द्वारा रविवार (24 अगस्त) को एक पब्लिक लेक्चर कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। व्याख्यान कार्यक्रम में एम्स ऋषिकेश के नेत्र रोग विशेषज्ञों सहित आसपास के अस्पतालों व मेडिकल कॉलेज के नेत्र रोग विशेषज्ञ भी शामिल होंगे। कार्यक्रम के आयोजन अध्यक्ष डॉ. संजीव कुमार मित्तल ने बताया कि पब्लिक व्याख्यान का आयोजन संस्थान के ए ब्लॉक स्थित तीसरी मंजिल के मिनी सभागार में रखा गया है। कार्यक्रम रविवार 24 अगस्त को सुबह 10बजे से शुरू होगा। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंदों को मौके पर ही सुरक्षा चश्मे भी वितरित किए जाएंगे। इन सभी वर्गों के लोग जिनके नेत्र कार्य स्थल पर असुरक्षित हो सकते हैं, इस पब्लिक व्याख्यान का विशेष लाभ उठा सकते हैं।

आपदा प्रभावितों को दी राशन किट

पौड़ी। जिले के पाबौ ब्लाक में आई आपदा के बाद प्रभावित परिवारों को लगातार राहत सामग्री और आर्थिक सहायता पहुंचाई जा रही है। रविवार को सैंजी व बुरांशी गांवों में आपदा पीड़ितों को राहत चेक और राशन किट वितरित किए। सामाजिक कार्यकर्ता विनोद रावत व मनवर सिंह ने बताया कि प्रदेश सरकार की ओर से आपदा प्रभावित परिवारों को निरंतर सहायता दी जा रही है। सैंजी गांव में 84 आपदा पीड़ितों को 5 लाख 46 हजार रुपये के राहत चेक वितरित किए गए। वहीं, बुरांशी गांव में 37 परिवारों को 2 लाख 40 हजार रुपये के चेक और राशन किट उपलब्ध कराए गए।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक
देवेन्द्र जौहरी द्वारा
साप्ताहिक समाचार पत्र
''गुरुकृपा दर्पण'' को
रूद्र प्रिंटिग प्रेस, ई-34,
ओल्ड इड्रस्ट्रियल एरिया, हरिद्वार
(उत्तराखण्ड) से मुद्रित एवं
एस-3, अशोक विहार कालोनी,
कनखल, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)
से प्रकाशित।
सम्पादक: **देवेन्द्र जौहरी**
मो. – **9997331129**
E-mail :
gurukripadarpan@gmail.com